टिहरी इंजीनियरिंग कालेज में शुरू होगा एमटेक

जागरण संवाददाता, देहरादून : वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) से संबद्ध टिहरी स्थित डीएचडीसी- इंस्टीट्यूट आफ हाइड्रोपावर इंजीनियरिंग एंड़ टेक्नोलाजी कालेज में 2023-24 सत्र से एम-टेक पूर्णकालिक व एम-टेक पार्टटाइम पाठ्यक्रम संचालित किये जाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में सीटों की संख्या 60 से बढ़ाकर 120 सीट किये जाने का प्रस्ताव भी विश्वविद्यालय को भेजा जा रहा है। यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने टीएचडीसी-आइएचईटी इंजीनियरिंग कालेज का दौरा कर संस्थान के निदेशक को इस संबंध में निर्देशित किया।

इंजीनियरिंग कालेज के शैक्षणिक निरीक्षण से पहले कुलपति ने संस्थान के कार्यपालक निदेशक एलपी जोशी व परियोजना के अधिकारियों के साथ कालेज को संचालित किये जाने को लेकर पूर्व में आई विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की।

कुलपति ने समस्याओं के मिलकर निदान करने पर सहमति जताई। संस्थान के कार्यपालक निदेशक ने कुलपति के साथ बैठक में कहा कि जिस उद्देश्य से इंजीनियरिंग कालेज का गठन हुआ था आज उन उद्देश्यों में कमी दिखाई देती है, जिसका खामियाजा संस्थान और छात्रों को भुगतान पड़ता है। लेकिन नौ मई, 2023 के राज्य सरकार के शासनादेश के अंतर्गत अब यह इंजीनियरिंग कालेज विवि का कैंपस कालेज बन गया है। उम्मीद है कि टिहरी स्थित कालेज कुलपति प्रो ओंकार सिंह के नेतृत्व में अपने उद्देश्यों और लक्ष्यों को हासिल करेगा। कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि नियमानुसार तो टीएचडीसी परियोजना लिमिटेड के साथ पूर्व में हुए करार की शर्तों के अंतर्गत इस कालेज का संचालन होना था जो कि कतिपय कारणों से नहीं हुआ, जिसका खामियाजा संस्थान को इतने सालों तक झेलना पड़ा। उन्होंने कालेज के शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि उनके कंधों पर छात्रों को कक्षाओं में पढ़ाते हुए संस्कारित शिक्षा देने की जिम्मेदारी है ताकि छात्रों के भविष्य के साथ-साथ प्रदेश और देश का भविष्य सुधर सके।